

# सिन्धी सुरहाणि

## दर्जा ९

(टी भाषा सिन्धी)



माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

राजकीय विद्यालयों में निःशुल्क वितरण हेतु



प्रकाशक

राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मण्डल, जयपुर

संस्करण : 2016

### सर्वाधिकार सुरक्षित

- © माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर
- © राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मण्डल, जयपुर

मूल्य :

पेपर उपयोग : 80 जी.एस.एम. मैफलीथो पेपर<sup>आर.एस.टी.बी. वाटरमार्क</sup>

कवर पेपर : 220 जी.एस.एम. इण्डियन आर्ट कार्ड कवर पेपर

प्रकाशक : राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मण्डल  
2-2 ए, ज्ञालाना डूगरी, जयपुर

मुद्रक :

मुद्रण संख्या :

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलैक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटोप्रिण्टिंग, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुनःप्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।
- इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्ह के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।

- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।
- किसी भी प्रकार का कोई परिवर्तन केवल प्रकाशक द्वारा ही किया जा सकता।

# दरसी किताबु तियार कंदड कमेटी

किताबु - सिन्धी सुरहाणि - दर्जो ९ (टी भाषा सिन्धी)

संयोजिका :

डॉ. कमला गोकलाणी, व्याख्याता-सिन्धी (सेवानिवृत्त) राजकीय महाविद्यालय, अजमेर

सम्पादक मंडल :

डॉ. मीना आसवाणी, व्याख्याता-सिन्धी, महाराणा प्रताप राजकीय महाविद्यालय, अजमेर

डॉ. परमेश्वरी पमनाणी, व्याख्याता-सिन्धी, महाराणा प्रताप राजकीय महाविद्यालय, अजमेर

श्रीमती शांता भिरयाणी, प्रधानाचार्या, राजकीय बालिका उच्च मा.विद्यालय, आदर्श नगर, अजमेर

श्रीमती कांता मथुराणी, प्रधानाचार्या, राजकीय बालिका उच्च मा.विद्यालय, मांगलियावास, अजमेर

श्री आतु ठहलियाणी, व्याख्याता-सिन्धी, शाहीद अमित भारद्वाज रा.उ.मा. विद्यालय, माणक चौक, जयपुर

श्रीमती भग्वंती चोटराणी, व्याख्याता(रा.वि.), राजकीय आदर्श उच्च मा.विद्यालय, डूमाड़ा, अजमेर

## शुक्रगुज्जारी

सम्पादक मण्डल ऐं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर उन्हनि सभिनी अदीबनि जी शुक्रगुज्जारी मजे थो, जिनजूं अमुल्ह रचनाऊं ऐं वीचार हिन किताब में शामिल कया विया आहिनि।

जेतोणीक हिन किताब में छपियल समूनि पाठनि/कविताउनि में कापी राईट जो ध्यानु राखियो वियो आहे, तड्हिं बि जेकड्हिं के हिस्सा रहिजी विया हुजनि त हीउ सम्पादक मण्डल उन लाइ पछताउ ज्ञाहिरु करे थो। अहिडी ज्ञाण मिलण ते असांखे खुशी थींदी।

निःशुल्क वितरण हेतु

## मास्तरनि लाइ हिदायतूं

भाषा जरीए इन्सानु पंहिंजा वीचार ग्राल्हाए ऐं लिखी इज्जहारे थो। असांजी सिन्धी भाषा दुनिया जे क्रदीम बोल्युनि मां हिक आहे, जंहिमें तमाम घणियूं खूबियूं आहिनि। लफ्ज भण्डार जे ख्याल खां शाहूकार आहे ऐं बहितरीन अदबी शाहकार मौजूद आहिनि।

तइलीमदान ऐं भाषा विज्ञानी यकराइ कबूल कनि था त ब्रार खे शुरुआती तइलीम मादरी जुबान जरीए डिजे, पर असीं भारत जे जुदा-जुदा हंधनि ते पखिडियल आहियूं। वक्त सां गडु हलंदे-हलंदे सिंधी माध्यम जा स्कूल बंदि थोंदा था वजनि। भारत जे जोड़जक में सिंधी बोली तस्लीम कयल आहे। उनखे बचाइण, वधाइण वीझाइण में तइलीम जो अहम योगदान आहे, इनकरे तव्हां सिंधी पढाईदड उस्तादनि जी इहा बिटी जिम्मेदारी थी बणिजे त ब्रारनि खे टीं भाषा जे रूप में सिन्धी पढायो, गड्हेगडु बोलीअ ऐं अदब लाइ चाहु बि जाण्यायो। जीअं हू पंहिंजा वीचार जुबानी चाहे लिखियल नमूने सिंधीअ में ज्ञाहिरु करे सघनि। सिंधी नसुर ऐं नज्म जे गूनागून सुंफुनि जी ज्ञाण हासुल करे। सिंधी सभ्यता संस्कृतीअ जी ज्ञाण हासुल करे, संत महात्माउनि, देश भगुतनि, शहीदनि जी ज्ञाण हासुल करे सधे।

सिंधी भाषा देवनागिरी ऐं सिंधीअ (अरेबिक) में लिखी वजे थी। हीउ किताबु देवनागिरीअ में ई लिखियो वियो आहे, जेका हिंदीअ मिसलि ई आहे। सिंधीअ में खास चार आवाज ध्यान सां सेखारण जी जरूरत आहे, उन्हनि जो उच्चारणु ऐं लिखणु थोरे अभ्यास सां अची वेंदो। असीं मुंहं मां जेके अखर उच्चारीदा आहियूं उन्हनि में हवा मुख मां ब्राहिर कढिबी आहे, पर हिननि चइनि अखरनि में हवा अंदरि छिकिबी।

जीअं चॉकलेट चूसिबो आहे। उहे अखर आहिनि:-

ड ब ग ए ज

ड, ब, ग एं ज चवण वक्त हवा ब्राह्मिक दिव्य जडुहिं त ड, ब, ग एं ज चवण वक्त हवा अन्दर छिकिबी ऐं लिखण वक्त अखर हेठां लीक पाइबी। इहा दिलचस्प रांदि करण सां बार जल्दु सिंधी लिखणु ग्राल्हाइणु सिखी वेंदा।

किताब जे नसुर जे 15 पाठनि में मजमून, कहाणी, एकांकी, जीवनी, लोक कथा ऐं सफरनामो शामिल कया विया आहिनि। जिनिमें पर्यावरण, देशभगिती, इन्सानी मुल्ह, महानगर जूं हालतूं जहिडा विषय शामिल आहिनि। नज्म में सिलोक, गऱ्गल, दोहा, प्रार्थना, अछंद कविताऊं शामिल आहिनि। प्रार्थना जी अहिमयत, आस्तिकता, देश भग्ती, वण पोखण जी अहिमयत, भारत जा कौमी निशान (राष्ट्रीय चिह्न) नेत्रदान, आशावाद, महिनत जहिडनि गुणनि जी प्रेरणा मिले थी। बारनि खे इन बाबत बुधायो वजे। ग्रामर जी मुख्तसर ज्ञान बि आखरि में डिनी आहे। जीअं अभ्यास में सवलाई थिए।

हरहिक पाठ जे आखिर में नवां लफऱ्ज, हवाला ऐं सुवाल डिना विया आहिनि पर तव्हां बारनि खां इन खां सवाइ बिया सुवाल बि पुछी सधो था। ब्र एकांकियूं इनकरे शामिल आहिनि जीअं पंहिंजा-पंहिंजा जुमिला ब्रार खुदि पढ़नि ऐं संदनि उच्चारण शुद्ध थी सधे। कविताऊं पढ़ाइण वक्त बि अनुकरण वाचन घणे में घणा ब्रार कनि।

घर में सिंधी ग्राल्हाइण लाइ हिमथायो अहिडीअ रीति फर्जु निभाए असर्सी माउ जे लोल्युनि जी मिठिडी सिंधी ब्रोलीअ जो कर्जु चुकाए सधंदासर्सी।

डॉ. कमला गोकलाणी  
संयोजिका

آبوجیت جی تھے پر ورن (اکرون) جیپ اچارٹ جا عضواً اخبارنی جو تکرارنا جا تکرارنا جو

नोट- स, श जो उच्चार हुन्ननि मां, पर उहे सेट जे उच्चार वारा आहिनि, तोहं करे थार लैखिजानि शा।  
ए, ऐ जो उच्चार ताळने ए केठ मां; ओ, दमी जो चपनि ऐ कंठ मां गड ( खिटा इलत )।

## ਫ਼ਹਿਰਸਤ

### ਨਸੂਰ

ਕ੍ਰ.ਸं. ਪਾਠ	ਲੇਖਕ	ਪੰਚ ਨ.
1. ਗੁਲਨਿ ਏਂ ਪਖੀਅਡਨਿ ਜੋ ਦਰਦ	ਮਜ਼ਮੂਨ	ਸੱਪਾਦਕ ਮੰਡਲ
2. ਕਮਧੂਟਰ	ਮਜ਼ਮੂਨ	ਕਨਹੈਯਾਲਾਲ ਲੇਖਵਾਣੀ
3. ਏਕਤਾ ਜੋ ਆਨਨਦ	ਏਕਾਂਕੀ	ਸੁਰਾਲੀਲਾਲ ਕਟਾਰਿਆ
4. ਜੀਵਤ ਜੋ ਥਮਭੋ	ਮਜ਼ਮੂਨ	ਲਾਲਸਿੰਘ ਅਜਵਾਣੀ
5. ਪਾਣੀਅ ਜਾ ਰਿਖਤਾ	ਕਹਾਣੀ	ਸੁਨਦਰ ਅਗਨਾਣੀ
6. ਭਗਵਨਤੀ ਨਾਵਾਣੀ	ਜੀਵਨੀ	ਲਛਮਣ ਭਮਭਾਣੀ
7. ਸਿਨਧੀ ਡਿਣਵਾਰ	ਮਜ਼ਮੂਨ	ਕਨਹੈਯਾਲਾਲ ਅਗਨਾਣੀ
8. ਤ੍ਰੂ ਸਿਨਧ ਮੌ ਰਹੀ ਪਤ	ਸਫਰਨਾਮੇ	ਠਾਕੁਰ ਚਾਵਲਾ
9. ਸਭੁਣ ਜੀ ਸੂਖਿਡੀ	ਕਹਾਣੀ	ਕਮਲਾ ਗੋਕਲਾਣੀ
10. ਭਗਤ ਕੰਵਰਰਾਮ	ਜੀਵਨੀ	ਕਾਨਤਾ ਮਥੁਰਾਣੀ
11. ਅਮਰ ਸ਼ਹੀਦ ਹੇਮੂ ਕਾਲਾਣੀ	ਏਕਾਂਕੀ	ਲੇਖਰਾਜ 'ਹੱਸ'
12. ਤਉਰ ਮਾਰ੍ਝ	ਲੋਕ ਕਥਾ	ਪ੍ਰੋ. ਰਾਮ ਪੰਜਵਾਣੀ
13. ਕੁਲਹਨਿ ਜੀ ਤਲਾਸ਼ ਮੌ	ਕਹਾਣੀ	ਈਸ਼ਵਰ ਚੰਦਰ
14. ਸਿਨਧੁ ਜੋ ਵਿਵੇਕਾਨਨਦ-ਸਾਧੂ ਹੀਰਾਨਨਦ	ਜੀਵਨੀ	ਕਮਲਾ ਗੋਕਲਾਣੀ
15. ਆਜ਼ਾਦੀ ਆਂਦੋਲਨ ਮੌ ਸਿੰਧੀ ਭੇਨਰੁਨਿ ਜੋ ਯੋਗਦਾਨ	ਮਜ਼ਮੂਨ	ਸੱਪਾਦਕ ਮੰਡਲ

## नम्रम

क्र.सं.	कविता जो सिरो	कवि	पेज नं.
1.	सलोक	भाई चैनराइ बचोमल 'सार्मी'	62
2.	महिनत	किशनचन्द 'बेवसि'	64
3.	गङ्गल 'ग्राल्हि करियू'	नारायण 'श्याम'	67
4.	हिक तू ई तू	गोवर्धन 'भारती'	69
5.	गङ्गल	हरी 'दिलगीर'	71
6.	वण पोखियू	हूंदराज 'दुखायल'	73
7.	नेत्र दान	वासदेव 'निर्मल'	78
8.	दोहा	ढोलण 'राही'	66
9.	कीन डर्णिदासूं	मोतीराम वलेछा 'जिन्दह'	80
10.	कौमी निशान	कमला गोकलाणी	82

## व्याकरण

ग्राल्हाइण जा लफज	84
जिन्स	86
अदद	86
जिद	86
जमान	87
तर्जुमो	89

**नोट:-** विस्तार सां ज्ञाण हासुल करण लाइ राजस्थान सिंधी अकादमीअ पारां छपायल सिंधी व्याकरण किताब जो अभ्यासु करियो।